कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं बी.एड. संकायों की नैक (B^{++}) प्रत्यायित संस्था

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:अगस्त-2024

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:अगस्त-2024

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह

अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

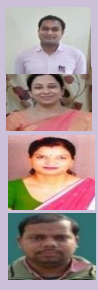

कार्यक्रम विवरण-

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1.	05.08.2024	महाविद्यालय	प्लेसमेंट सेल द्वारा कैरियर काउसिंलिंग	1
2.	06.08.2024	प्राचीन इतिहास विभाग	विशिष्ट व्याख्यान	2
3.	06.08.2024	रक्षाअध्ययन विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना	हिरोशिमा दिवस पर कार्यक्रम	2–3
4.	10.08.2024	हिन्दी एवं अर्थशास्त्र विभाग	विशिष्ट व्याख्यान	3
5.	12.08.2024	वाणिज्य विभाग	व्यक्तित्व एवं कौशल विकास	4
6.	15.08.2024	एन.सी.सी.	एक पेड़ माँ के नाम तथा तिरंगा रैली कार्यक्रम	5
7.	17.08.2024	संस्कृत एवं हिन्दी विभाग	विशिष्ट व्याख्यान	6
8.	23.08.2024	राजनीति विज्ञान विभाग	अभिविन्यास कार्यक्रम	7
9.	23.08.2024	भौतिक विज्ञान विभाग	राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस	8
10.	28.08.2024	एन.सी.सी.	एनसीसी कैडेट्स चयन भर्ती	9
11.	29.08.2024	शारीरिक शिक्षा विभाग	खेल दिवस पर बैडमिंटन प्रतियोगिता	10
12.	29.08.2024	एन.सी.सी.	"चैंप बनें, चंप नहीं" विषय पर एन.सी.सी. कैडेट्स ने किया दौड़ का आयोजन	11
13.	30.08.2024	शारीरिक शिक्षा विभाग	ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज स्मृति बैडमिण्टन टूर्नामेंट	12
14.	30.08.2024	समाजशास्त्र विभाग	अभिविन्यास कार्यक्रम	13

प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

दिनांक 05.08.2024 को महाविद्यालय प्लेसमेंट सेल एवं एन.आई.आई.टी. गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में कैरियर काउंसलिंग एवं आईसीआईसीआई बैंक हेतु प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राजेंद्र जोधा, सीनियर मैनेजर एन.आई.आई टी, नई दिल्ली थे। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि छात्रों में रोजगार योग्यता विकसित करने में मदद करने से उन्हें श्रम बाजार में उनके संक्रमण को सुविधाजनक बनाने और उनकी नई नौकरियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता और कौशल प्राप्त करने में सहायता मिलती है। उच्च शिक्षा छात्रों को गतिशील और जटिल श्रम बाजार के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कार्यक्रम के अगले सत्र में बालाजी एकेडमी के सेंटर हेड अविनाश श्रीवास्तव एवं एन.आई.आई. टी. के सीनियर मैनेजर राजेंद्र जोधा के नेतृत्व में आईसीआईसीआई बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर पद हेतु साक्षात्कार हेतु उपस्थित 63 विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी, समन्वयक प्रो. परीक्षित सिंह ने किया।

प्राचीन भारतीय कला में डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल का अवदान

दिनांक 06.08.2024 को महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवम संस्कृति विभाग में एक दिवसीय विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसका विषय **"प्राचीन भारतीय कला में डॉ० वासुदेव शरण अग्रवाल का अवदान" था।** जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. भागीरथी सिंह थे। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय कला में छिपे हुए दुरूह तथ्यों की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए बताया कि वासुदेव शरण अग्रवाल ने कला में पाश्चात्य प्रभाव को नकारते हुए भारतीय प्रभाव को स्वीकार किया है। इसके साथ ही उन्होंने कला में प्रतीकात्मक अंकन जैसे पद्म, स्वस्तिक, पूर्णघट आदि के माध्यम से भारतीय कला के महत्व को बताया । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि कला से इतिहास बोध किस प्रकार हो इस सन्दर्भ में डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल ने अपनी विशेष भूमिका अदा की है।

विषय प्रवर्तन विभाग के प्रभारी श्री सुरेन्द्र चौहान द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कामिनी सिंह ने किया एवं आभार ज्ञापन श्री धीरज कुमार सिंह ने किया।

हिरोशिमा दिवस पर कार्यक्रम

दिनांक 6 अगस्त 2024 को **दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग** तथा **राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान** में **हिरोशिमा दिवस** के उपलक्ष्य में निःशस्त्रीकरण, शस्त्र नियंत्रण एवं विश्व शांति हेतु प्रभात फेरी निकाली गई जिसमें रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन

विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र–छात्राओं ने सहभाग किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. के समन्वयक प्रो. परीक्षित सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हिरोशिमा और नागासाकी में परमाणु बमों का प्रयोग विश्व की सबसे दुर्भाग्यशाली घटनाओं में से एक थी। परमाणु बमों के प्रयोग से न केवल लाखों लोग मारे गए अपितु जीव जंतुओं सहित वनस्पतियों को भी भारी मात्रा में क्षति हुई थी।

रामचरित मानस में रामराज्य की अवधारणा

दिनांक 10.08.2024 को महाविद्यालय एवं साहित्यार्चन हिन्दी विभाग व अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में श्रीमद्गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती की पूर्व संध्या पर ''रामचरित मानस में रामराज्य की अवधारणा'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग थे। उक्त अवसर पर उन्होंने कहा कि रामराज्य की स्थापना के लिए सभी को अपनी स्वयं की जिम्मेदारी निभानी होगी। जबतक हम अपनी मातृभूमि के प्रति समर्पण भाव नहीं रखेंगे तबतक रामराज्य स्थापित नहीं हो पायेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि गोस्वामी जी के मानस में जो राम का चरित्र है, यह प्रयोजन मूलक काव्य है। उस समय हम अपनी आत्म गौरव व अस्मिता को भूल रहे थे, ऐसे अवसर पर मानस लोगों के लिए सदगुणों के समुच्चय के रूप में प्रस्तुत हुआ।

उक्त कार्यक्रम का संचालन डॉ. विभा सिंह व आभार ज्ञापन डॉ. दीपक सिंह, प्रभारी अर्थशास्त्र विभाग ने किया।

व्यक्तित्व एवं कौशल विकास पर कार्यक्रम

दिनांक 12.08.2024 को वाणिज्य विभाग में बी.कॉम. एवं एम. काम अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों हेतु ''व्यक्तित्व एवं कौशल विकास'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में उन्नति फाउंडेशन के मुख्य वक्ता श्री विनय ओझा, प्रशिक्षक ने व्यक्तित्व एवं कौशल विकास विषय पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति जन्म से अनूठा है, सभी में कुछ विशेष गुण है जो हमें औरों से अलग करता है। यही विशेषताएँ तय करती हैं कि हम कौन है और किसी परिस्थिति में किस तरह व्यवहार करेंगे, ज्यादातर समय हम अपनी उन विशेषताओं के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते है जो हमें नुकसान पहुंचाती हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभाग के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार सिंह ने कहा कि व्यक्तित्व विकास के लिए कौशल विकास आवश्यक है।

एन.सी.सी. कैडेट्स ने पौधरोपण कर तिरंगा रैली निकालते हुए लिया नशा मुक्त देश बनाने का शपथ

15 अगस्त, 2024 को 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह–2024 के शुभ अवसर पर महाविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट्स ने सर्वप्रथम 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम के अन्तर्गत पौधरोपण किया सभी कैडेट्स ने एक–एक पौधे का रोपण किया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन 'विकसित भारत मंत्र देश हो' पर हुआ। इस अवसर पर कैडेट्स को अपना उद्बोधन देते हुए सी.टी.ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र ने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं तथा युवाओं की शक्ति का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है।

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के तृतीय चरण में कैडेट्स ने आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत हर घर तिरंगा अभियान के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु तिरंगा रैली निकाली। तिरंगा रैली महाविद्यालय के पश्चिमी परिसर से प्रारम्भ होकर कचहरी चौराहा, एम.पी. इंटर कॉलेज, हरिओम तिराहा के रास्ते महाविद्यालय के पूर्वी परिसर पर पहुँची। पूर्वी परिसर पर पहुँचकर सभी कैडेट्स ने महाविद्यालय द्वारा आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया, उसके उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओ.पी. सिंह तथा अन्य प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को एक सच्चे राष्ट्रभक्त बनने का सन्देश दिया। मिष्ठान वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में सी.टी.ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र इंस्ट्रक्टर श्री सत्येन्द्र कुमार यादव एवं द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के समस्त कैडेट्स उपस्थित रहे।

संस्कृत भाषा भारतीय ज्ञान परम्परा संवाहिका

दिनांक 17.08.2024 को महाविद्यालय गोरखपुर के संस्कृत व हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत दिवस की पूर्व संध्या पर ''संस्कृत भाषा भारतीय ज्ञान परम्परा संवाहिका'' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. ईश्वर शरण विश्वकर्मा पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग एवं न्यास अध्यक्ष संस्कृत भारती गोरक्षप्रान्त थे। उक्त अवसर पर उन्होंने कहा कि संस्कृत सभी की भाषा है, चिकित्सा, प्रौद्योगिकी, मानविकी आदि क्षेत्रों में संस्कृत की भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि जो परिवार, समाज व राष्ट्र को जोड़ सके वही युवा है। यूनेस्कों ने 3800 वर्ष पुरानी 300 पाडुंलिपियों को धरोहर के रूप में स्वीकार किया हमें अपने दैनिक वार्तालाप में संस्कृत को निश्चित रूप से शामिल करना पड़ा। दुनिया के साहित्य में ऋग्वेद ही ऐसा है जिसका ज्ञान देवता है। इस पूरी दुनिया में ज्ञान से पवित्र कोई चीज नही है।

मुख्य वक्ता सत्यनारायण भक्त, अखिल भारतीय महामंत्री, संस्कृत भारती थे। इस अवसर पर उन्होने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा में भारत सदैव ही सर्वश्रेष्ठ रहा है। वेद अपने आप में विज्ञान है, यह केवल कर्मकाण्ड अथवा पूजा का विषय नही है। इसलिए आजकल वैदिक विज्ञान की बात की जाती है। **कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि** संस्कृत भाषा सभी भाषाओं की जननी और सम्पूर्ण ज्ञान का स्रोत है।

उक्त कार्यक्रम का संचालन श्री शुभम मिश्र व आभार ज्ञापन डॉ. प्रियंका सिंह, व स्वागत परिचय डॉ. अदिति दूबे ने किया।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक 23.08.2024 को महाविद्यालय के **राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा एम.ए प्रथम सेमेस्टर के नव प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम** का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को महाविद्यालय के सभी भौतिक संसाधनों एवं उत्कृष्ट शिक्षण के विभिन्न आयामों से परिचित कराया गया एवं महाविद्यालय की मातृ संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

इस अभिविन्यास कार्यक्रम में विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत अपनाई गई सीबीसीएस प्रणाली के बारे में जानकारी दी गई साथ ही पाठयक्रम में सम्मिलित मेजर, माइनर कोर्स एवं रिसर्च प्रोजेक्ट के महत्व को भी बताया गया।

इस अवसर पर **विभाग प्रभारी श्री इन्द्रेश कुमार पाण्डेय** ने कहा कि आज राजनीति विज्ञान विषय सबसे लोकप्रिय विषय है। राजनीति विज्ञान एम.ए का पाठयक्रम चार सेमेस्टर में विभाजित है जो दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा निर्धारित पाठयक्रम के अनुरूप संचालित है। इस अवसर पर महाविद्यालय के **प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। उन्होने अपने सम्बोधन में कहा कि यह विषय ज्ञानवर्धन के साथ–साथ राष्ट्रीय चेतना का संवाहक भी है। प्रत्येक विद्यार्थी को अध्ययन के साथ–साथ राष्ट्रीय कर्तव्यों का भी बोध होना चाहिए। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक **डॉ. अखिल कुमार श्रीवास्तव, डॉ. शैलेश कुमार सिंह, डॉ. प्रियंका सिंह** एवं समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

23 अगस्त 2024 को भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। 23 अगस्त 2023 को गया है। इसरो (भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन) द्वारा चन्द्रयान–3 को लान्च किया गया था। इस मिशन की सफलता के बाद चन्द्रमा पर साफ्ट लैंडिंग करने वाला **भारत विश्व का चौथा देश** बना तथा दक्षिणी ध्रुव पर साफ्ट लैंडिंग करने वाला विश्व का **पहला देश** बन गया। इसरो की यह उपलब्धी अन्तरिक्ष विज्ञान और अन्वेषण में भारत के महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है। चन्द्रयान–3 मिशन के तहत भारत ने **'विक्रम'** लैंडर को चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर जिस स्थान पर लैंड कराया उसे **'शिवशक्ति प्वाइन्ट'** का नाम दिया गया था।

इस असवर पर **निबन्ध प्रतियोगिता में 85 छात्र/छात्राओं** ने प्रतिभाग किया। **भाषण प्रतियोगिता में 11 छात्र/छात्राओं ने** प्रतिभाग किया। भाषण प्रतियोगिता में बी.सी.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा **सुन्दरी** ने सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में **अल्का सिंह**, एम.एससी. तृतीय सेमेस्टर ने प्रथम, **हिमांशी पाण्डेय,**बी.सी.ए. प्रथम ने द्वितीय, सेमेस्टर एवं **अनन्या पाण्डेय,** बी.सी.ए.प्रथम सेमेस्टर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

एन.सी.सी. कैडेट्स चयन भर्ती

दिनांक 28.08.2024 को महाविद्यालय में 44वीं यूपी बटालियन एन.सी.सी. गोरखपुर में एन.सी.सी. कैडेट्स की भर्ती/चयन प्रक्रिया बटालियन के सैन्य अधिकारियों के नेतृत्व में संपन्न किया गया।

इस अवसर पर एनसीसी 44वीं यूपी बटालियन गोरखपुर के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल रमन तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए एन.सी.सी. के लाभ, उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि यदि आपको सेना के क्षेत्र में अधिकारी बनना है तो एन.सी.सी. आपको एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

इस अवसर पर जेसीओ सूबेदार काशी राज लिम्बू ने कहा कि यदि देश की रक्षा हेतु सैन्य सेवा में जाना आपका लक्ष्य है, तो एन.सी.सी आपके सपनो को पूर्ण करने का एक बेहतरीन माध्यम है। एन.सी.सी भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय का एक अंग है, जिसका उद्देश्य युवाओं को देश सेवा और नेतृत्व कौशल के प्रति प्रेरित करना है। महाविद्यालय के विद्यार्थियों का चयन डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन, लंबाई, सीट–अप, पुश–अप, दौड़, बेसिक मेडिकल चेकअप (नाक, कान, आंख, नॉकनी, कैरिंग एंगल, फ्लैट फूट इत्यादि) तथा लिखित परीक्षा के आधार पर हुआ। भर्ती प्रक्रिया में कुल 87 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

खेल दिवस पर बैडमिंटन प्रतियोगिता

दिनांक 29.08.2024 को महाविद्यालय में खेल दिवस का आयोजन हुआ। हॉकी के जादूगर'' भारत के महानतम् खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद जी के जन्मदिन के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के मकसद से भारत सरकार ने 2012 में उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया था। इस दिवस का उद्देश्य खेलों के महत्व और मनुष्य के शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थ्य पर इसके सक्रिय प्रभाव के महत्व के बारे में जागरूक करना है। इस दिवस का आयोजन प्रत्येक वर्ष राष्ट्रपति भवन में किया जाता है जिसमें राष्ट्रपति के द्वारा देश के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार राजीव गॉधी खेल रत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार और द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान कर उनका सम्मान किया जाता है। भारत सरकार खेलों में युवाओं के रूचि बढाने हेतु **खेलों 'इडिण्या मुहिम'** के अन्तर्गत लगातार प्रयास कर रही है। **क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष** प्रो. परीक्षित सिंह ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को स्वस्थ रहने हेतु अपने रूचि के खेल को अपने दिनचर्या में स्थान देना चाहिए।

क्रीड़ा परिषद के सचिव डॉ. अवधेश शुक्ल ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित **ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज स्मृति बैडमिण्टन टूर्नामेंट में एकल बालिका वर्ग में 40 एवं एकल बालक वर्ग में 54 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया हैं।**

"चैंप बनें, चंप नहीं" विषय पर एन.सी.सी. कैडेट्स ने किया दौड़ का आयोजन

दिनांक 29.08.2024 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के एन. सी.सी. कैडेट्स ने 2 किलोमीटर की दौड़ में भाग लिया। इस आयोजन का विषय था "चैंप बनें, चंप नहीं"। दौड़ में कुल 28 कैडेट्स ने हिस्सा लेकर अपने शारीरिक और मानसिक सामर्थ्य का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य (डॉ.) ओम प्रकाश सिंह ने एन.सी.सी. कैडेट्स के प्रयासों की सराहना की और उन्हें जीवन में सदैव उत्कृष्टता की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर महाविद्यालय के एन.सी.सी. सी.टी.ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र, श्री शुभम पाण्डेय प्रशिक्षक श्री सत्येन्द्र कुमार यादव एवं द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के समस्त कैडेट्स उपस्थित रहे।

ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज स्मृति बैडमिण्टन टूर्नामेंट : समापन समारोह

दिनांक 30.08.2024 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज स्मृति बैडमिण्टन टूर्नामेंट के समापन समारोह के मुख्य अतिथि मेजर डॉ. श्रीभगवान सिंह, प्राचार्य, महंत अवेद्यनाथ महाविद्यालय, चौक बाजार महराजगंज के थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन महाविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु होते रहने चाहिए जिससे विद्यार्थी शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थ रहेगें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि खेल में हार–जीत का महत्व नही है बल्कि प्रतिभागिता का महत्व है जो खिलाड़ी आज अपनी हार से सीख लेगा वहीं आगे चलकर महान खिलाड़ी बन सकेगा।

क्रीड़ा परिषद के सचिव डॉ. अवधेश शुक्ल ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज स्मृति बैडमिण्टन टूर्नामेंट के दूसरे दिन एकल बालक एवं बालिका वर्ग का सेमीफाइनल एवं फाइनल मुकाबला खेला गया। सभी विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि मेजर डॉ. श्रीभगवान सिंह ने शील्ड एवं प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया।

समाजशास्त्र विभाग द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम

दिनांक 30.08.2024 को महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा एम.ए प्रथम सेमेस्टर के नव प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर समाजशास्त्र विभाग की प्रभारी प्रो. अर्चना सिंह ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए महाविद्यालय में उपलब्ध भौतिक संसाधनों एवं उत्कृष्ट शिक्षण के विभिन्न आयामों से परिचित कराया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा जैसे नेट क्लास, रिमेडियल क्लास, सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागिता तथा पेपर प्रजेन्टेशन के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गयी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पूर्वी उत्तर प्रदेश की एक अग्रणी संस्था है। राष्ट्रीय चेतना के प्रसार में गोरक्षनाथ मंदिर व महाविद्यालय के संस्थापक महंत दिग्विजयनाथ जी की राष्ट्रीयता, संस्कृति निष्ठता व सिद्धान्त बोध के समुच्चय विचारों से हम विद्यार्थियों को प्रेरित करते है। यही कारण है कि हमारा कोई विज्ञापन नहीं है बल्कि विद्यार्थी व उनके अभिभावकों की संतुष्टि ही हमारे प्रचार–प्रसार का माध्यम है। यह महाविद्यालय एक निकाय है, जहॉ हम मध्यम बुद्धि वाले विद्यार्थी को भी मुख्य धारा में लाना चाहते है। सभी विद्यार्थियों को समता व ममता युक्त शिक्षा मिलनी चाहिए, जिसके लिए भारतीय ज्ञान परम्परा को वैश्विक ज्ञान की उपयोगिता से जोड़ना होगा।